स्काउट गाइड ज्योति

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की आमुख पत्रिका
वर्ष-23, अंक-01, जुलाई, 2022 (कुल पृष्ठ-28) मूल्य : रु. 15/-

मानीनीय मुख्यमंत्री जी द्वारा बजट घोषणा 2019-20 की अनुपालना में संचालित राजस्थान स्काउट अवासीय विद्यालय के भवन निर्माण के लिए शिलान्यास पूजन में शिरकत करते हुए स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य एवं अन्य पदाधिकारीगण

निरंजन आर्य अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) मनोनीत

राजस्थान प्रदेश के लिए गौरव की बात है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य को भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया गया है। श्री आर्य के अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर बनने से प्रदेश संगठन गौरवान्वित हुआ है।

उल्लेखनीय है कि भारत स्काउट व गाइड के चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खण्डेलवाल ने श्री आर्य को अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया है।

अपने मनोनयन पर श्री आर्य ने कहा कि वे स्काउट गाइड बालिक बालिकाओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए प्रयास करेंगे और उन्हें इस बाबत अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में बढ़ोतरी के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

दैनिक भास्कर जयपुर 04-06-2022

निरंजन आर्य बने भारत स्काउट एवं गाइड नेशनल एसोसिएशन के कमिश्नर

जयपुर | भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के अंतरराष्ट्रीय चीफ कमिश्नर डॉ. के.के. खंडेलवाल (रिटायर्ड आईएएस) ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स के राजस्थान स्टेट के चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य (रिटायर्ड आईएएस) को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स का अंतरराष्ट्रीय कमिश्नर नियुक्त किया है। राष्ट्रीय मुख्यालय की ज्वॉइंट डायरेक्टर दर्शना अमर पवास्कर (एसएस) ने आर्य को उनका नियुक्ति पत्र भेजकर शुभकामनाएं प्रेषित की है।

निरंजन आर्य।

आर्य बने अंतरराष्ट्रीय स्काउट कमिश्नर

जयपुर @ पत्रिका प्लस. राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य को भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली की ओर से अन्तरराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया गया है। उल्लेखनीय है कि भारत स्काउट व गाइड के चीफ नेशनल कमिश्नर के.के. खण्डेलवाल ने आर्य को अन्तरराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया है।

निरंजन आर्य अन्तरराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) मनोनीत

नवज्योति, जयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य को भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली की ओर से अन्तरराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया गया है। आर्य के अन्तरराष्ट्रीय कमिश्नर बनने से प्रदेश संगठन गौरवान्वित हुआ है। ... कि भारत स्काउट ... शनल कमिश्नर ... वाल ने आर्य को अन्तरराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया है। मनोनयन पर आर्य ने कहा कि वे स्काउट गाइड बालिक बालिकाओं को अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए प्रयास करेंगे और उन्हें इस बाबत अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में बढ़ोतरी के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

निरंजन आर्य अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर मनोनीत

जयपुर (कासं)। राजस्थान के लिए गौरव की बात है कि राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य को भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया गया है। आर्य के अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर बनने से प्रदेश संगठन गौरवान्वित हुआ है। उल्लेखनीय है कि भारत स्काउट व गाइड के चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खण्डेलवाल ने आर्य को अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया है। अपने मनोनयन पर आर्य ने कहा कि वे स्काउट गाइड बालिक बालिकाओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए प्रयास करेंगे और उन्हें इस बाबत अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों ...

खबरों की दुनिया — एक नज़र

निरंजन आर्य अन्तरराष्ट्री[य] कमिश्नर (स्काउट) मनो[नीत]

निरंजन आर्य अंतरराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) मनोनीत

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य को भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा अन्तराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया गया है। आर्य के अन्तराष्ट्रीय कमिश्नर बनने से प्रदेश संगठन गौरवान्वित हुआ है।

उल्लेखनीय है कि भारत स्काउट व गाइड के चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खंडेलवाल ने श्री आर्य को अन्तराष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत किया है। अपने मनोनयन पर आर्य ने कहा कि वे स्काउट गाइड बालिक बालिकाओं को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर गतिविधियों में अधिकाधिक सहभागिता के लिए प्रयास करेंगे और उन्हें इस बाबत अधिक अवसर उपलब्ध कराने के लिए अन्तराष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में बढ़ोतरी के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

स्काउट गाइड ज्योति
वर्ष : 23 अंक : 01
जुलाई, 2022

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य
आई.ए.एस. (से.नि.)
स्टेट चीफ कमिश्नर

गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (स्काउट)

निर्मल पंवार
स्टेट कमिश्नर (रोवर)

डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (कब)

महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

रुक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (गाइड)

शुचि त्यागी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (रेंजर)

टीना डाबी, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)

मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.
स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)

स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)
नवीन महाजन, आई.ए.एस.
नवीन जैन, आई.ए.एस.
डॉ. एस.आर. जैन
एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस.(से.नि.)
डॉ. अखिल शुक्ला

राज्य आयुक्त (अहिंसा, शांति-समन्वय)
मनीष कुमार शर्मा

राज्य कोषाध्यक्ष
ललित कुमार मोरोडिया
राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन
राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन

इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
दिशाबोध	4
संपादकीय	4
विशेष : आवासीय विद्यालय भवन शिलान्यास	5
ऑर्गेनाइजर्स समीक्षा संगोष्ठी	6
राज्य सचिव द्वारा अभिरूचि केन्द्र का अवलोकन	7
रोवर-रेंजर साहसिक एवं स्काउटर गाइडर अध्ययन शिविर	8
ग्रीष्मावकाश के शिविर एवं गतिविधियां	10
राष्ट्रपति अवार्ड गाइड प्रशिक्षण शिविर	12
राष्ट्रपति अवार्ड स्काउट प्रशिक्षण शिविर	12
ग्रामीण रोवर रेंजर भारत दर्शन शिविर	13
हमारा स्वास्थ्य : बारिश का मौसम और हमारी सेहत	14
निर्मल पंवार राष्ट्रीय कमिश्नर (रोवर) मनोनीत	15
गतिविधि दर्पण	16
विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस	21
दक्षता पदक-जिम्नास्ट (कसरती/मल्ल)	22
काव्य प्रतिभा : मेरी इच्छा	23
अनुभव : राज्य स्तरीय रोवर/रेंजर साहसिक शिविर, मदुरै (तमिलनाडू)	23
हमारे महापुरूष : आधुनिक भारत के निर्माता : बाल गंगाधर तिलक	24
गतिविधि पञ्चांग	26

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. **scoutguidejyoti@gmail.com** पर भिजवाई जा सकती हैं।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क	आजीवन सदस्यता शुल्क
व्यक्तिगत शुल्क :100/- संस्थागत शुल्क:150/-	1200/-
शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।	

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।
यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध

शिक्षा और पर्यावरणीय दायित्व

वैश्विक दायित्व निर्वहन के लिए पर्यावरण की दृष्टि से यह माह बहुत महत्वपूर्ण है। पिछले दो माह के दौरान पर्यावरण को सुधारने, संरक्षण और उसके प्रति जन चेतना जागृत करने के उद्देश्य से अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय दिवस मनाये गये। पर्यावरण की रक्षा के लिए प्रदेश संगठन के माध्यम से अनेक प्रभावी गतिविधियाँ निरन्तरता लिये हुए कई वर्षों से चल रही है। इस माह हमें पर्यावरण के लिए कुछ ऐसा करना है कि समाज व आमजन के लिए एक उदाहरण बन सकें।

ग्रीष्मवकाश पूर्ण हुआ और शिक्षा सत्र प्रारम्भ हो चुका है, नई कक्षा...नये सहपाठी....नये गुरूजन के साथ नये सत्र पर सभी स्काउट–गाइड, रोवर–रेंजर एवं स्काउटर–गाइडर को हार्दिक शुभकामनाएं संप्रेषित करते हुए कहना चाहता हूँ कि वर्ष पर्यन्त शिक्षा पर अपना ध्यान केन्द्रित रखते हुए समय का पूरा सदुपयोग करें। समय जो कभी रूकता नहीं, ना ही कभी लौट कर आता है। अतः सदैव इसकी महत्ता को समझें और इसका सम्मान करें।

वर्ष पर्यन्त नियमित पढ़ाई तो करनी ही है, साथ ही इस बात का हमेशा ध्यान रहे कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई ऐसी स्किल जरूर होती है, जो उसे औरों से कहीं अलग और यूनीक बनाती है। मगर पता नहीं क्यों बहुत से स्टूडेंट अपने ऐसे गुणों पर ध्यान ही नहीं देते हैं। अध्ययन के दबाव में इसे वे भूल ही जाते हैं। याद रखिए, अपनी स्किल्स को हमेशा मजबूत करते रहें। कम से कम इसे हॉबी के रूप में तो जिंदा रखें ही। कभी–न–कभी ये जरूर काम आती है।

सभी को नव शिक्षा सत्र की पुनः शुभकामनाएं देते हुए आह्वान करता हूँ कि शिक्षा के साथ ही पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनें और मानसून के वर्षा जल को संरक्षित कर अपना व आने वाली पीढ़ी का भविष्य सवांरने का सद्प्रयास करते हुए सामाजिक दायित्व का निर्वाह करें।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित.....

निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिश्नर

संपादकीय

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मावकाश के विशेष शिविरों, कार्यक्रमों और अन्तर्राज्यीय गतिविधियों में प्रदेश के अनेक स्काउट गाइड, रोवर रेंजर व स्काउटर गाइडर ने सहभागिता की। आबूपर्वत पर आयोजित विभिन्न बेसिक, एडवांस, कमिश्नर व साहसिक शिविरों में संभागियों ने अपनी योग्यता वृद्धि कर ग्रीष्मावकाश का पूर्ण सदुपयोग किया। आशा है सभी प्रशिक्षित स्काउटर गाइडर अपने विद्यालय के स्काउट गाइड को बौद्धिक, मानसिक, आध्यत्मिक व शारीरिक रूप से विकसित करने में अपनी योग्यता का लाभ इस संगठन को शत–प्रतिशत देंगे।

जहाँ एक ओर रोवर रेंजर और स्काउटर गाइडर ने प्रदेश के बाहर मदुरै के प्राकृतिक व नैसर्गिक सौन्दर्य के बीच अपने साहसिक शिविर और अध्ययन शिविर का लुत्फ उठाया वहीं दूसरी ओर ग्रामीण रोवर रेंजर ने भारत दर्शन कार्यक्रम के तहत भरतपुर एवं मथुरा के आसपास के धार्मिक, ऐतिहासिक, पर्यटन एवं शैक्षिक दृष्टि से उपयोगी स्थलों का भ्रमण किया। मथुरा–आगरा में अपने शैक्षिक भ्रमण के दौरान देश की आध्यात्मिक, ऐतिहासक व पर्यावरणीय विरासत को जाना व समझा।

अब मैं इस संगठन के सभी वैतनिक जिला ऑर्गेनाइजिंग कमिश्नर्स से कहना चाहुँगा कि पिछले 2 वर्ष से कोविड–19 की माहमारी के कारण विद्यालय बन्द रहने से हमें अनेक कार्यों में व्यवधान का सामना करना पड़ा, परन्तु अब हालात कुछ सामान्य हैं और विद्यालय भी पूर्ण रूप से प्रारम्भ हो चुके हैं, जिसके कारण हम अपने शिविर व गतिविधियां सुचारू रूप से आयोजित कर रहे हैं। ऐसे में आप सभी को स्काउट गाइड ज्योति की सदस्यता का कार्य भी पुनः प्रारम्भ करना है और पूर्व में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप प्रत्येक को एक सत्र में 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य पूर्ण करना ही है। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें।

मेरी ओर से सभी को शुभकामनाएं....

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

विशेष

आवासीय विद्यालय भवन शिलान्यास

राज्य मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य ने किया विद्यालय के भवन भाग-द्वितीय का शिलान्यास

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य प्रशिक्षण केन्द्र, जगतपुरा, जयपुर पर संचालित राजस्थान स्काउट आवासीय विद्यालय के भवन भाग–द्वितीय का शिलान्यास 10 जून, 2022 को राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य के मुख्य आतिथ्य में भूमि पूजन के साथ हुआ।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी. सी. जैन एवं राज्य प्रशिक्षण आयुक्त श्री बन्ना लाल भी उपस्थित रहें। राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा 2019–20 की अनुपालना में संचालित राजस्थान स्काउट अवासीय विद्यालय के भवन निर्माण के लिए सत्र 2022–23 हेतु 87 लाख 89 हजार रूपये राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत करवाये गये है। यह निर्माण कार्य समसा (शिक्षा संकुल, जयपुर) के माध्यम से करवाया जा रहा है। उक्त निर्माण कार्य में 2 कक्षा कक्ष, 2 हॉस्टल कक्ष एवं 2 सेनिटेशन ब्लॉक का निर्माण कार्य करवाया जाना है।

उल्लेखनीय है कि आवासीय विद्यालय में वर्तमान में कक्षा 6 से 9 तक के विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिन्हें इस नव–निर्माण से बेहतर सुविधाएं मिलने लगेगी।

निर्माण से पूर्व नींव पूजन करते हुए राज्य मुख्य आयुक्त

विशेष

ऑर्गेनाइजर्स समीक्षा संगोष्ठी

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में राज्य प्रशिक्षण केन्द्र जगतपुर, जयपुर में 6 व 7 जून, 2022 को दो दिवसीय स्काउट गाइड आर्गेनाइजिंग कमिश्नर की बैठक आयोजित हुई।

अंतिम दिन स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने मीटिंग में शिरकत कर सभी ऑर्गेनाइजर्स के लक्ष्यों व उपलब्धियों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये। श्री आर्य ने सभी आर्गेनाइजिंग कमिश्नर को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध पूरा करने और प्रदेश के स्काउट गाइड संगठन को नवीनतम ऊंचाईयों पर ले जाने के हरसंभव प्रयास करने के लिए आदेशित किया। साथ ही कहा कि जिन ऑर्गेनाइजर्स की उपलब्धियों में कमी पाई जायेगी, उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। श्री आर्य ने आगामी राष्ट्रीय जंबूरी आयोजन एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में समीक्षा कर अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी ली। श्री आर्य ने कहा कि जंबूरी को प्रदेश ही नहीं राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गौरव दिलाने के लिए सभी को एकजुट प्रयास करना है और मिल–जुलकर कार्य करने की आवश्यकताओं पर बल दिया। श्री आर्य ने अपने उद्बोधन में प्रदेश के सभी राजकीय, निजी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र, छात्राओं के लिए उनकी आयु वर्ग अनुसार कब, बुलबुल, स्काउट, गाइड, रोवर रेंजर यूनिट पंजीकरण एवं सक्रिय संचालन को अनिवार्य बताया। इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने के लिए भी आश्वस्त किया।

मीटिंग के पहले दिन बैठक में राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन, राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) गोपाराम माली, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल ने गत वर्ष की उपलब्धियों का मूल्यांकन कर चालू सत्र के लक्ष्यों, उपलब्धियों एवं नवाचारों पर चर्चा की। 2 दिवसीय मीटिंग में प्रदेश के सभी सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट व गाइड), सी.ओ स्काउट व गाइड शामिल हुए।

नियुक्ति

राज्य संगठन के माननीय राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने आदेश जारी कर श्री गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस., माध्यमिक शिक्षा निदेशक, राजस्थान को राज्य संगठन में स्टेट कमिश्नर (स्काउट) के पद पर नियुक्ति प्रदान की है।

सहायक स्टेट कमिश्नर (स्काउट) श्री राजेन्द्र जोशी ने श्री अग्रवाल को पदभार ग्रहण कराया। इस अवसर पर सहा.राज्य संगठन आयुक्त बीकानेर मानमहेन्द्र सिंह भाटी, सुश्री सुयश लोढ़ा एवं अन्य साथ रहे।

राज्य संगठन की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं...

संपादक एवं राज्य सचिव

राज्य सचिव द्वारा अभिरूचि केन्द्र का अवलोकन

शिविर में कार्यों को सीख कर जीवन में अपनाएं
-डॉ. पी.सी. जैन

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सीकर के तत्वावधान में श्री हरदयाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बजाज सर्किल, सीकर पर आयोजित हो रहे ग्रीष्मकालीन अभिरुचि एवं हस्तकला लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविर का अवलोकन राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं पूर्व बैंक प्रबंधक बी.एल. जैन, केशव पारीक, मो. एन.उल्ला खान, मैनेजर रिलायंस मार्ट बजाज सर्किल सीकर ने किया। अतिथियों का स्वागत विद्युत कक्षा में स्वागत घंटी द्वारा किया गया।

इस दौरान अभिरूचि केन्द्र से संबंधित समस्त जानकारी शिविर संचालक बसंत कुमार लाटा ने प्रदान की।

प्रत्येक कक्षा कक्ष में जाकर अभिरुचि शिविर के संभागियों एवं प्रशिक्षकों से प्रशिक्षण संबंधी जानकारी प्राप्त की तथा शिविर के उत्कृष्ट संचालन के लिए प्रशिक्षणार्थियों को बधाई दी।

इस अवसर पर डॉ. पी.सी. जैन ने कहा कि बालक बालिकाएं महिलाएं यहां कई प्रकार के हुनर सीख रहे हैं, ये बालक बालिकाएं सीखे गए हुनर को जीवन में अपनाएं और स्वावलंबी बनें।

श्री लाटा ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में महेंद्र कुमार पारीक, पूरणमल, मोहनलाल मौर्य, मनोहर लाल, रेंजर लीडर निर्मला माथुर, महेश कुमार लाटा, भागीरथ सिंह पालीवाल, मोहनलाल सुखाड़िया, कृष्ण कुमार कांकड़वाल, विनोद ऐचरा, अमित कुमार सैनी, कीर्ति रामवानी, सुशीला बुटोलिया, रेखा शर्मा, बबीता, द्रौपदी, नेहा, संगीता सैनी, रेणु, जितेंद्र, आशा पारीक, अतुल दाधीच द्वारा मेहंदी, पेंटिंग, कंप्यूटर, स्पोकन इंग्लिश, स्केटिंग, सिलाई, फैशन डिजाइन, पोट वर्क, कढ़ाई, बुनाई, इलेक्ट्रिक का कार्य सिखाया जा रहा है।

रोवर-रेंजर साहिसिक एवं स्काउटर गाइडर अध्ययन शिविर

मदुरै (तमिलनाडू)

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में वार्षिक कार्यक्रम अनुसार राज्य स्तरीय रोवर रेंजर साहसिक शिविर 22 से 26 मई 2022 तक एवं राज्य स्तरीय स्काउटर गाइडर शैक्षणिक शिविर 27 से 31 मई, 2022 तक मदुरई (तमिलनाडू) में आयोजित किया गया।

सेतु रंजन मैट्रिक स्कूल जयहिंदपुरम में आयोजित रोवर रेंजर शिविर में अजमेर संभाग से 7 रोवर, 4 रेंजर भरतपुर संभाग से 3 रोवर, बीकानेर संभाग से 4 रोवर 4 रेंजर, जयपुर संभाग से 3 रोवर 6 रेंजर, जोधपुर संभाग से 4 रोवर 1 रेंजर, कोटा संभाग से 7 रोवर 9 रेंजर एवं उदयपुर संभाग से 4 रोवर 2 रेंजर सहित 32 रोवर और 26 रेंजर कुल 58 रोवर रेंजर ने सहभागिता की। वहीं स्काउटर गाइडर शिविर में अजमेर मंडल से 10 स्काउटर 3 गाइडर, बीकानेर मंडल से 14 स्काउटर 6 गाइडर, जयपुर मंडल से 24 स्काउटर 4 गाइडर, जोधपुर से 14 स्काउटर 6 गाइडर, कोटा मंडल से 2 स्काउटर 2 गाइडर, उदयपुर मंडल से 20 स्काउटर 3 गाइडर सहित 84 स्काउटर एवं 24 गाइडर कुल 108 संभागी ने भाग लिया।

22 तारीख को उद्घाटन अवसर पर मदुरई के स्थानीय राजस्थानी प्रवासियों एवं स्थानीय स्काउट गाइड पदाधिकारियों ने सहभागिता की। शिविर में मदुरई के विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक, कलात्मक और आध्यात्मिक दृष्टि से परिपूर्ण मीनाक्षी मंदिर का सभी के द्वारा अवलोकन किया गया। मीनाक्षी मंदिर की कलात्मकता को देखकर सभी अभिभूत हुए। इतना खूबसूरत एवं भव्य मंदिर देखकर भारतीय पुरातन वास्तु कला के इतनी खूबसूरत दर्शन अन्यत्र शायद ही देखने को मिले। स्थानीय सांस्कृतिक परिदृश्य के साथ में मेल मिलाप करते हुए वहां की संस्कृति को, खानपान को एवं रहन–सहन को जाना।

दूसरे दिवस पर भारत के अंतिम छोर कन्याकुमारी का भ्रमण किया गया। कन्याकुमारी में समुद्र के मध्य जहाज में यात्रा भी सबके लिए रोमांचकारी रही और उस रोमांचकारी यात्रा से विवेकानंद स्मारक पर पहुंचना सबके लिए एक ख्वाब की पूर्ति जैसा था। समुंदर की लहरों के मध्य ध्यान लगाना, कन्याकुमारी पादुका मंदिर के दर्शन, बाजार में

विचरण एवं अरब सागर, प्रशांत महासागर एवं हिंद महासागर के त्रिवेणी संगम को निहारने का सभी ने अविस्मरणीय आंनद प्राप्त किया।

इसी शिविर के मध्य तीसरे दिवस कोडाईकनाल जो कि मदुरई के समीप 110 किलोमीटर तमिलनाडु का एक प्रसिद्ध हिल स्टेशन है, का भ्रमण भी रोवर रेंजर द्वारा किया गया। वहां की झील और विभिन्न दर्शनीय स्थलों के अवलोकन से रोवर रेंजर ने गर्मी के मौसम में ठंडक का अहसास प्राप्त किया। प्रकृति के समीप आकर शिविर का आंनद लिया। जबकि स्काउटर गाइडर अध्ययन शिविर के दौरान तृतीय दिवस पर कुटरकुलं नामक जगह का भ्रमण किया गया जो कि अपने विशाल जलप्रपात एवं प्राकृतिक झरनों लिए विख्यात है। साथ ही प्राचीन ऐतिहासिक मंदिर के दर्शन करना भी सौभाग्यशाली रहा।

चतुर्थ दिवस दोनों शिविरों के संभागी ने सभी की भावनाओं के अनुरूप रामेश्वरम के दर्शन किए, जो मदुरई से 175 किलोमीटर की दूरी पर स्थित था। रामेश्वरम में शानदार पंबन ब्रिज से समुंदर के मध्य रेल मार्ग को निहारना रोमांचकारी रहा। साथ ही रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के दर्शन से सभी अपने आप को उपकृत

महसूस कर रहे थे। अग्नि कुंड में स्नान से सभी ने सुकून प्राप्त किया। साथ ही रामसेतु धनुष्कोटी पर जाना भी शिविर को सफल बनाने जैसा था। पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम के म्यूजियम एवं आवास का अवलोकन कर सभी ने भारत के महान वैज्ञानिक को याद किया। शिविर में प्रतिदिन लंबी दूरी का सफर थकान भरा तो था, परंतु वहां की ऐतिहासिकता, आध्यात्मिकता, वास्तु कला, वहां के समुद्र तट, वहां के खान पान, रहन सहन, आत्मीयता और प्राकृतिक दृश्यों ने थकान को हावी नहीं होने दिया।

शिविर का सफल संचालन राज्य संगठन आयुक्त गोपाराम माली के नेतृत्व में किया गया। शिविर के संचालन में सहयोग दीपेश शर्मा सी.ओ. स्काउट बांसवाड़ा, जसवंतसिंह राजपुरोहित सी.ओ. स्काउट बीकानेर, रेखा शर्मा सी.ओ. गाइड प्रतापगढ़ एवं प्रीति कुमारी सी.ओ. गाइड कोटा के द्वारा किया गया। ईश्वर के परम आशीर्वाद से यह शिविर 31 मई को एक सुखद अनुभव के साथ समाप्त हुआ। समापन अवसर पर स्थानीय प्राचार्य एवं स्काउट गाइड पदाधिकारियों का संगठन की ओर से आभार व्यक्त करते हुए मान सम्मान किया गया।

ग्रीष्मावकाश के शिविर एवं गतिविधियां

राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड संगठन ने राज्य स्तर पर बालचरों के विकास के उद्देश्य से ग्रीष्मावकाश में विभिन्न साहसिक शिविर, शैक्षिक भ्रमण, रोजगारोन्मुखी अभिरूचि शिविर एवं लघु उद्योग शिविर आयोजित करने का जिम्मा अपने हाथों में लिया हुआ है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी इस श्रृंखला को आगे बढाते हुए स्काउट गाइड संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम संचालित किये गये, जिनमें मई–जून में आबू पर्वत स्थित दोनों स्काउट गाइड शिविर केद्रों पर ग्रीष्मकालीन शिविरों की श्रृंखला में प्रत्येक शाखा के शिविर आयोजित किये गये।

कब / स्काउट / रोवर विभाग :

प्रदेश के स्काउट्स, रोवर्स व लीडर्स की योग्यता वृद्धि के लिए ग्रामीण/स्वतंत्र रोवर लीडर बेसिक कोर्स 18 से 24 मई तक हुआ, जिसमें क्रमशः 3 व 11 ने सहभागिता कर बेसिक कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त किया। कब/स्काउट युनिट लीडर एडवान्स कोर्स 18 से 24 मई तक आयोजित हुआ जिसमें क्रमशः 11 व 60 संभागी ने सहभागिता की। स्काउट्स के लिए राष्ट्रपति स्काउट पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर 02 से 06 जून, 2022 तक हुआ जिसमें 234 स्काउट्स ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया। राज्य स्तरीय सचिव/संयुक्त सचिव प्रशिक्षण शिविर दिनांक 14 से 18 जून 2022 तक सम्पादित हुआ जिसमे 69 सचिव/संयुक्त सचिव ने सहभागिता की।

बुलबुल / गाइड / रेंजर विभाग :

जब पूरे देश में महिला एवं बालिका सम्बल की पुरजोर कोशिश की जा रही है तो यह संगठन कैसे पीछे रह सकता है। प्रदेश की बुलबुल, गाइड व रेंजर विभाग के तहत व फ्लॉक लीडर व गाइड केप्टिन एडवांस कोर्स 26 मई से 01 जून तक आयोजित हुए, जिनमें क्रमशः 11 व 50 ने सहभागिता की। गाइड्स के लिए राष्ट्रपति गाइड पुरस्कार प्रशिक्षण शिविर 26 से 30 मई, 2022 तक आयोजित हुआ जिसमें 152 गाइड्स ने सहभागिता कर प्रशिक्षण प्राप्त किया।

एडवेन्चर प्रोग्राम :

साहसिक गतिविधियों में राज्य प्रशिक्षण केन्द्र एवं स्टेट ऐडवेन्चर इन्सिटिट्युट आबुपर्वत पर केन्द्र नं. 1 पर दिनांक 01 से 05 मई 2022 तक स्टेट एडवेन्चर प्रोग्राम आयोजित हुआ जिसमें 63 संभागी एवं दिनांक 10 से 14 मई 2022 तक स्टेट एडवेन्चर प्रोग्राम में 152 संभागीयों की सहभागिता केन्द्र नं. 1 पर रही। इसी के साथ दिनांक 17 से 21 मई तक व 23 से 27 मई तक केन्द्र नं. 2 पर आयोजित हुआ जिसमें क्रमशः 33 व 35 ने सहभागिता की।

स्वावलम्बन शिक्षा :

अभिरूचि शिविरों व लघु उद्योग प्रशिक्षण शिविरों का सन् 1975 से संचालित 47वां सत्र माह मई से जून तक प्रदेश के सभी मण्डल व जिला मुख्यालयों के अलावा कतिपय कस्बों में भी सौ से अधिक स्थानों पर संचालन किया गया, जिनमें लगभग 8 हजार से अधिक किशोर व युवा लड़के लड़कियों ने भागीदारी की। ये शिविर प्रातः 7 से 11 बजे तक सम्पन्न हुए। इसी दौरान सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर विश्व तम्बाकू निषेध दिवस व पर्यावरण दिवस का भी आयोजन किया गया। प्रत्येक ग्राम, कस्बे व जिले में हजारों लोंगों को तम्बाकू सेवन न करने एवं पर्यावरण के संरक्षण की शपथ

दिलाई गई। इन शिविर केन्द्रों पर विभिन्न हस्तकलाओं यथा– बिजली के घरेलू उपकरणों की मरम्मत, बिजली फिटिंग, मोबाइल फोन रिपेयरिंग, स्केटिंग, सिलाई, कढाई, नृत्य, वाद्यवादन, संगीत, मेहंदी मांडना, अल्पना चित्रकारी, टॉप ऑप्ट, सॉफ्ट टॉयज़ व पॉट मेकिंग के अलावा फूड प्रिजर्वेशन व केनिंग, ब्यूटिशियन आदि हस्तकलाओं का निःशुल्क प्रशिक्षण कुशल प्रशिक्षकों द्वारा प्रदान किया गया। साथ ही इस वर्ष बालिकाओं को विशेष रूप से स्वरक्षार्थ जूड़ो–कराटे का विशेष रूप से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया गया।

सेवा सरिता :

स्काउट्स व गाइड्स द्वारा राहगीरों व यात्रियों को प्रचण्ड गर्मी से राहत दिलाने के उद्देश्य से रेल्वे स्टेशनों, बस अड्डों व भीड़–भाड़ वाले प्रदेश के अनेक स्थानों पर शीतल जल सेवा के कार्यक्रम भी जनसेवा भावना के अन्तर्गत संचालित किये गये। उल्लेखनीय है कि जयपुर रेल्वे स्टेशन पर पिछले 51 वर्षों से लगातार यह सेवा ग्रीष्मावकाश में होती आ रही है। राजस्थान राज्य के सभी जिलों में छोटे छोटे कस्बों तक में स्काउट्स व गाइड्स द्वारा भीषण गर्मी में शीतलता प्रदान करने के लिए जल सेवा का कार्य पूर्ण उत्साह से किया गया।

पर्यावरण संरक्षण :

स्काउट गाइड संस्था के पाँचवे नियम के अनुसार स्काउट्स गाइड्स पशु पक्षी व प्रकृति प्रेमी होते हैं और इसी भावना का परिचय देते हुए ग्रीष्म ऋतु में स्काउट्स व गाइड्स द्वारा अभियान चला कर पक्षियों के लिए पानी के परिण्डे, दाना डालने हेतु चुग्गापात्र व आवास हेतु घोंसले बना कर विभिन्न स्थानों पर टांगे गए व आस पास में रहने वाले लोगों को इनमें दाना पानी डालने का संकल्प दिलाया गया। कुछ ऐसे निर्जन स्थलों जहाँ पर इस प्रकार की व्यवस्था नहीं हो सकी वहाँ स्काउट्स गाइड्स द्वारा स्वयं इनमें दाना पानी डालने की जिम्मेदारी ली गई। स्काउट गाइड संगठन की प्रेरणा व पहल पर सन् 2003 से संचालित परिण्डा व चुग्गा पात्र अभियान परवान चढ़ने लगा है और इससे प्रेरित होकर अन्य सेवाभावी संस्थाएं व जागरूक नागरिक परिण्डा बंधन की लुप्त होती परम्परा को पुनर्जीवित करने में लगे हैं। अनुमानतः स्काउट गाइड व उनके वयस्क लीडर्स की पहल पर राज्य में लगभग 1 लाख चुग्गापात्र व परिण्डे लगने के आसार हैं।

5 जून पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रदेश भर में रैलियों, गोष्ठियों एवं विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिनमें सैंकड़ों स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने सहभागिता की।

३१ मई को प्रदेश भर में प्रत्येक स्थानीय संघ के सान्निध्य में तम्बाकू निषेध दिवस का आयोजन रैलियों व विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं व वार्ता के माध्यम से किया गया। इस अवसर पर प्रत्येक ग्रुप के बालक–बालिकाओं ने तम्बाकू निषेध का संकल्प लेकर आमजन को जागरूक करने का बीड़ा उठाया।

राष्ट्रपति अवार्ड गाइड प्रशिक्षण शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय के तत्वावधान में दिनांक 26 से 30 मई, 2022 तक राज्य प्रशिक्षण शिविर आबू पर्वत, केन्द्र नं 1 पर राष्ट्रपति अवार्ड गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान गाइडस को दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रवेश से लेकर राष्ट्रपति अवार्ड तक के सभी विषयों का प्रशिक्षण दिया गया।

आन्दोलन का इतिहास, नियम प्रतिज्ञा, सभी प्रकार के झण्डों की जानकारी, ध्वज शिष्टाचार व पूर्ण यूनिफॉर्म की जानकारी, पायोनियरिंग व शिविर कला के अन्तर्गत सभी प्रकार की गांठें व लेसिंग की जानकारी, तम्बू लगाना, दिशा ज्ञान व मेपिंग, प्राथमिक चिकित्सा में समान्य जानकारी से लेकर विभिन्न प्रकार के स्ट्रेचर बनाना तथा पट्टियों की जानकारी, अनुमान लगाना, वेग्स की जानकारी तथा दक्षता बैज और लोग बुक तैयार करना इत्यादि का प्रशिक्षण दिया गया।

उक्त शिविर में सम्पूर्ण राज्य के विभिन्न जिलों से कुल 152 गाइड्स व 17 गाइडर्स ने सहभागिता की, जिसमें 5 का स्टाफ था। संचालक में सहयोग एएलटी श्रीमती कान्ता शर्मा, एएलटी माला शेखावत, एच.डब्ल्यू.बी. सुमन दैमन व एच.डब्ल्यू.बी. रजनेश यादव ने किया।

शिविर का सफल संचालन सहायक राज्य संगठन आयुक्त (गाइड) जयपुर एल.टी. गाइड श्रीमती नीता शर्मा ने किया।

राष्ट्रपति अवार्ड स्काउट प्रशिक्षण शिविर

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में प्रशिक्षण केन्द्र नं. 1, ओल्ड गोल्फ कोर्स, आबू पर्वत पर राष्ट्रपति स्काउट प्रशिक्षण शिविर में स्काउट्स को दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। शिविर संचालक सहायक राज्य संगठन आयुक्त अजमेर विनोद दत्त जोशी के निर्देशन में शिविर में राजस्थान के सभी जिलों से 234 स्काउट्स ने भाग लिया। शिविर में दक्ष प्रशिक्षकों द्वारा बालचरों को प्रधानमंत्री शील्ड, एंबुलेंस मैन बैज, अन्तर्राष्ट्रीय स्काउट प्रशिक्षण केन्द्र की जानकारी, रस्सी के सिरे स्थाई करना, आई स्पलाइस, बैक स्पलाइस, शोर्ट स्पलाइस, रोलिंग हिच, ड्रा हिच, फायमैन चेयर नोट, मैन हायरनेस नोट, प्राथमिक उपचार, कृत्रिम श्वास देना, मैपिंग, दिशाओं का ज्ञान सहित विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर के दौरान स्काउट्स को माउंट आबू के विभिन्न दर्शनीय स्थलों का भ्रमण करवाया गया।

वायु सेना में भर्ती संबंधी जानकारियां दी

राष्ट्रपति स्काउट प्रशिक्षण शिविर के चतुर्थ दिवस को नंबर 5 वायुसैनिक चयन केन्द्र जोधपुर से आए वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी बी.एल. मीना, कोपॉरल सजीष के.मी., कोपॉरल हेमन्त कुमार, कोपॉरल सुरेश चन्द्रा द्वारा स्काउट बालचरों को वायु सेना मे भर्ती प्रक्रिया को लेकर विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर संचालक सहायक राज्य संगठन आयुक्त अजमेर विनोद दत्त जोशी एवं अन्य द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। इस दौरान बालचरों को वायु सेना में वायु सैनिक के रूप में देश की सेवा करने के साथ–साथ उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने की जानकारी दी गई। वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी बी.एल. मीना ने भारतीय वायुसेना की योग्यता, मानदंड, चिकित्सा मानक, चयन के प्रकार, वायु सैनिकों की रेंक, रचना, भारतीय वायसेना के कैडेट्स, भविष्य की संभावनाएं, व्यक्तित्व विकास, सेवानिवृत्ति पश्चात लाभ एवं वायु सैनिक चयन केन्द्र के बारे में पूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय वायुसेना में चयन की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी भारतीय वायुसेना की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। इस दौरान आबूपर्वत सी.ओ. नरेन्द्र कुमार खोरवाल ने अतिथियों का आभार जताया।

ग्रामीण रोवर रेंजर भारत दर्शन शिविर

भरतपुर-मथुरा, 01 से 05 जून, 2022

राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड, राज्य मुख्यालय, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय ग्रामीण रोवर रेंजर भारत दर्शन शिविर 01 जून, 2022 को स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय, भरतपुर परिसर में ध्वजारोहण से प्रारम्भ हुआ। शिविर के शुभारम्भ पर श्री साहब सिंह मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी भरतपुर ने शिविर संभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि रोवर रेंजर के लिए ये भारत दर्शन कार्यक्रम बहुउपयोगी है, क्योंकि शैक्षिक वातावरण के साथ बाहरी गतिविधियों में भागीदारी से सामाजिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त होता है तथा सामाजिक समरसता की भावना एवं अपनी संस्कृति से जुड़े रहने की सीख मिलती है।

शिविर में राज्य के 07 मण्डलों से 76 संभागी (49 रोवर, 27 रेंजर) ने भाग लिया। शिविर के दौरान रोवर रेंजर को भरतपुर एवं मथुरा के आसपास के धार्मिक, ऐतिहासिक पर्यटन एवं शैक्षिक दृष्टि से उपयोगी स्थलों का भ्रमण करवाया गया।

भारत दर्शन की कड़ी में संभागियों को भरतपुर में शास्त्री पार्क, लोहागढ़ दुर्ग, संग्रहालय तथा मथुरा स्थित बृजधाम, गोकुल गाँव, रमणरेती, श्रीकृष्ण जन्मभूमि, जयगुरूदेव मंदिर, प्रेम मंदिर, हनुमान टेकरी, स्कॉट टैम्पल, बाँके बिहारी मन्दिर, निधिवन, यमुना घाट, वैष्णो धाम मन्दिर, आगरा का ताजमहल एवं किला, केवलादेव घना पक्षी विहार भरतपुर आदि धार्मिक, ऐतिहासिक एवं शैक्षिक दृष्टि से उपयोगी स्थलों का भ्रमण करवाया गया।

05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर शिविर का समापन हुआ। मण्डल मुख्यालय, भरतपुर पर आयोजित राज्य स्तरीय ग्रामीण रोवर रेंजर भारत दर्शन शिविर 05 जून, 2022 को श्री आलोक शर्मा सहायक स्टेट कमिश्नर स्काउट के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि आलोक शर्मा ने संभागियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड संगठन का उद्देश्य नवयुवकों का शारीरिक, बौद्धिक, सामाजिक तथा अध्यात्मिक विकास करना है। उन्होंने यह भी कहा कि स्काउट गाइड गतिविधियों में भाग लेकर नवयुवक व्यक्तिगत रूप से अपने कर्तव्य एवं दायित्वों को जानकर सुनागरिक बनते हैं। विश्व पर्यावरण दिवस पर अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण में भी स्काउट गाइड सदस्य अपना योगदान अदा करें। ग्रीष्मकाल में परिण्डे एवं चुग्गापात्र लगावें। उन्होंने शिविर संभागियो को अपने घर परिवार समाज एवं समुदाय में आमजन को प्रेरित कर अधिकाधिक वृक्षारोपण करने तथा चुग्गापात्र लगाने की प्रेरणा दी।

शिविर का संचालन सहायक राज्य संगठन आयुक्त (स्काउट) भरतपुर रामजस लिखाला के नेतृत्व में सी.ओ. (स्काउट) अलवर श्री प्रमोद कुमार शर्मा, सी.ओ. (स्काउट) भरतपुर श्री राजेन्द्र प्रसाद मीणा, सी.ओ. (गाइड) सवाई माधोपुर श्रीमती दिव्या एवं श्री यादराम सहायक लीडर ट्रेनर ने किया।

हमारा स्वास्थ्य

बारिश का मौसम और हमारी सेहत

डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव
संकलनकर्ता

बारिश के मौसम में मलेरिया, डेंगू, सर्दी–खांसी, जुलाब, उल्टी, टाईफोइड, त्वचा रोग, पीलिया इत्यादि अनेक रोग फैलते हैं। जिस तरह हम बारिश से बचने के लिए छाते के इस्तेमाल करते है ठीक उसी तरह बरसात के मौसम में फैलने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए हमें कुछ एहतियात रूपी छाते का इस्तेमाल करना चाहिए।

ग्रीष्मकाल के समाप्ति के बाद तपती हुई धरती पर जब बारीश की रिम–झिम बौछारें गिरती है तो वह समस्त सजीव को तरो तजा तो करती है पर साथ ही कई बीमारियों को आमंत्रण भी देती है। हर किसी को इस सुहाने मौसम का पूरा लुत्फ उठाने की इच्छा होती है पर साथ ही इस मौसम में लोग अक्सर जल्दी बीमार हो जाते हैं।

बारिश के मौसम में मलेरिया, डेंगू, सर्दी–खांसी, जुलाब, उल्टी, टाईफोइड, त्वचा रोग, पीलिया इत्यादि अनेक रोग फैलते हैं। जिस तरह हम बारिश से बचने के लिए छाते के इस्तेमाल करते है ठीक उसी तरह बरसात के मौसम में फैलने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए हमें कुछ एहतियात रूपी छाते का इस्तेमाल करना चाहिए।

वर्षा ऋतु में नीचे दी हुई जरुरी एहतियात बरते –

१) हमेशा ताजे और स्वच्छ सब्जी/फल का सेवन करें।

- ध्यान रहे की खाने से पहले फल/सब्जी को अच्छे से स्वच्छ पानी से धो कर साफ कर लें, खास कर हरी पत्तेदार सब्जी।
- बासी भोजन, पहले से कटे हुए फल तथा दुषित भोजन का सेवन न करें।
- हमेशा ताजा गरम खाना खाए।
- इस मौसम में सब्जी/फल जल्दी खराब हो जाते हैं इसलिए हमेशा ताजा फल या सब्जी का प्रयोग करें।
- इन दिनों में हमारी पाचन शक्ति सबसे कम होती है। इसलिए जरुरी है अधिक तला, भुना खाना न खाया जाए बल्कीं ऐसा भोजन खाया खाए जो आसानी से पच जाए। जब भूख लगे तब ही और जीतनी भूख हो उतना ही आराम से पचने लायक खाना लेना चाहिए।
- ज्यादा ठंडा, खट्टा न खाए। ज्यादा नमक वाली चीजें जैसे चिप्स, कुरकुरे, चटनी, पापड़ कम खाएं क्योंकि इस मौसम में शरीर में water retention की संभावना ज्यादा होती है।

२) बाहर का खाना मना है।

- बाहर का सड़क के किनारे मिलने वाला या होटल का खाना खाने से पूरी तरह बचना चाहिए।
- बाहर का खाना खाने से जुलाब, उलटी, टाईफोइड इत्यादी गंभीर रोग हो सकते है।
- सड़क के किनारे बेचे जाने वाले चायनिज़ फूड, भेल, पानी पूरी आदि फूड पॉईजनिंग होने के प्रमुख कारण हैं।

3) भरपूर स्वच्छ पानी का सेवन करें।

- वर्षा ऋतु में हवा में अधिक नमी होने के कारण शरीर की गर्मी बाहर नहीं निकलती है और साथ ही पसीना भी ज्यादा आता है, ऐसे में जरुरी है कि शरीर में पर्याप्त पानी का प्रमाण रखने के लिए भरपूर पानी का सेवन करे।
- हमेशा उबाल कर ठंडा किया हुआ या फिल्टर किये हुए स्वच्छ पानी का सेवन करें। कम से कम 15 मिनट तक पानी अवश्य उबालें।
- ठंडा पेय पीने की बजाय तुलसी, इलायची की चाय या थोड़ा गरम पानी पीना ज्यादा फायदेमंद है।

४) बारिश से बचाव

- हर किसी को बारिश में भीगना पसंद है पर बारिश में ज्यादा देर तक भीगने से सर्दी–खांसी और बुखार हो सकता है।
- बारिश में भीगने पर ज्यादा देर तक बालों को गीला न रखें।
- अगर आप को अस्थमा है या फिर आपको जल्दी सर्दी–जुखाम–खांसी हो जाती है तो बारिश में न भीगे।
- बारिश से बचने के लिये छाता/रेनकोट का इस्तेमाल करना चाहिये।
- कपड़े/जूते/चप्पल गीले हो जाने पर तुरंत बदल दे। ज्यादा समय तक गीले कपड़े पहनने से फंगल इत्यादि त्वचा रोग हो सकते हैं।
- डायबिटीज के मरीजो को विशेष रूप से अपने पैरों का ज्यादा ख्याल रखना चाहिये। पैर गीले होने पर तुरंत उन्हे साफ कर देना चाहिये।

५) बुजुर्गों की देखभाल

- बदलते मौसम मे बुजुर्गों के बिमार होने कि संभावना ज्यादा होती है। इसलिये जरुरी है कि उनके स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाए।
- बुजुर्ग बारीश में ज्यादा बाहर न निकले। गरम चाय, कॉफी या सूप पिएं।
- ज्यादा कच्चे फल या सलाद न खाए।
- खाने में हल्दी, ईलायची, सौन्फ, दालचीनी का इस्तेमाल करें। इनसे रोग प्रतिकार शक्ति बढ़ती है।

६) अन्य सावधानियां

- रात्रि में सोने के लिए मच्छरदानी का प्रयोग करें।
- अपने घर के आस–पास गंदगी न होने दें। घर के आस–पास के गड्ढों को भर दें, जिससे बारिश का पानी रुककर सड़ने न पाए। इससे मच्छर उत्पन्न नही होंगे।
- घर कि अच्छी तरह फिनाईल से सफाई करे ताकि मक्खियाँ न आए।
- बच्चो को बारीश से पूर्व ही Typhoid और Hepatitis के vaccine लगवा दें।
- अपनी नियमित चल रही दवाईयों का अधिक खुराक जमा कर लें ताकि बारीश की वजह से बाहर न जा सकने पर दवा में कोई गैप न पड़े।
- किसी भी रोग की शंका होने पर तुरंत डॉक्टर के पास जाए।

उपचार से बचाव बेहतर है, इस नियम का पालन वर्षा ऋतू में करना जरुरी है।

अतः हम उपर दिए हुए कुछ सावधानियां रखकर वर्षा ऋतू में सुरक्षित रहकर इस सुहाने मौसम का पूरा लुत्फ उठा सकते हैं।

साभार – www.achhikhabar.com

निर्मल पंवार राष्ट्रीय कमिश्नर (रोवर) मनोनीत

राजस्थान के लिए गौरव की बात है कि प्रदेश के स्टेट कमिश्नर (रोवर) निर्मल पंवार को भारत स्काउट व गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय कमिश्नर (रोवर) के पद पर आगामी एक वर्ष के लिए मनोनीत किया गया है। श्री पंवार के राष्ट्रीय कमिश्नर (रोवर) बनने से प्रदेश संगठन गौरवान्वित हुआ है।

उल्लेखनीय है कि भारत स्काउट व गाइड के चीफ नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खण्डेलवाल ने श्री पंवार को राष्ट्रीय कमिश्नर (रोवर) के पद पर मनोनीत किया है।

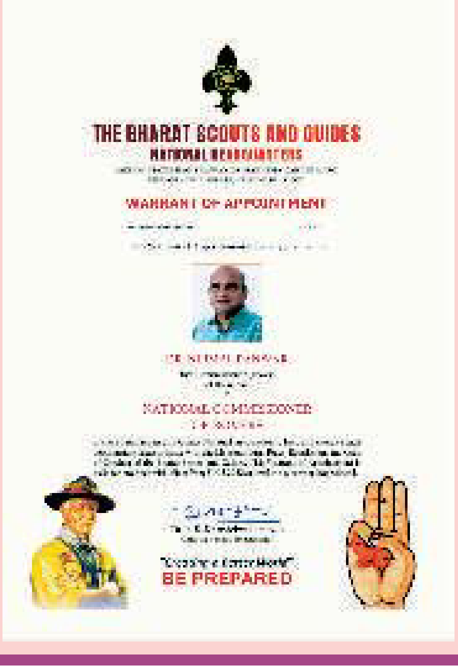

गतिविधि दर्पण

प्रदेश में विभिन्न स्तरों पर आयोजित गतिविधियों, शिविर इत्यादि की संक्षिप्त रिपोर्ट

अजमेर मण्डल

स्काउट गाइड ने निकाली पर्यावरण संरक्षण जनचेतना रैली

◈ विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण जनचेतना रैली निकाल कर स्काउट गाइड ने जन सामान्य को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रैली को सिविल लाइन से मुख्य अतिथि उपखंड अधिकारी ओम प्रभा व प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी ने हरी झंडी दिखा रवाना किया।

स्थानीय संघ भीलवाड़ा के सचिव व ए.एल.टी.(स्काउट) प्रेम शंकर जोशी के अनुसार रैली में स्काउट, गाइड, रोवर, रेंजर हाथों में पर्यावरण संरक्षण के नारे लिखी तख्तियां, बैनर लेकर नारे लगाते हुए सिविल लाइन से अजमेर चौराहा, श्री राम कॉलोनी, सत्यम कॉम्प्लेक्स, सुभाष नगर के विभिन्न मार्गों, बड़ी पुलिया, छोटी पुलिया से होते हुए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर के प्रांगण में पहुंचे, जहां पक्षियों के दाने पानी हेतु बांधे गए परिंडो की सफाई कर, उनमें दाना पानी डाला तथा पेड़ पौधों की निराई–गुड़ाई कर उन्हें पानी पिलाया। रैली को रवाना करने से पूर्व उपखंड अधिकारी ने संबोधित करते हुए कहा की स्काउट गाइड को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ जीवन भर पृथ्वी बचाने व मिट्टी बचाने के सार्थक प्रयास करने हेतु संकल्पित होना है। रैली में स्काउट इको क्लब प्रभारी प्रेम शंकर जोशी, गाइड कैप्टिन संगीता व्यास के नेतृत्व में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर इको क्लब के स्काउट गाइड, खिलाड़ी छात्र, माणिक्य लाल वर्मा राजकीय महाविद्यालय के रोवर, सुशीला देवी माथुर कन्या महाविद्यालय की रेंजर ने भाग लिया।

मैराथन दौड़ से दिया "एक ही पृथ्वी" का संदेश

◈ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सुभाष नगर, भीलवाड़ा में संचालित स्काउट इको क्लब, करुणा क्लब, गाइड कंपनी व खेल क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. महावीर कुमार शर्मा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शाहपुरा ने मैराथन दौड़ को हरी झंडी दिखाकर विद्यालय प्रांगण से

रवाना किया। स्काउट इको क्लब प्रभारी प्रेम शंकर जोशी के अनुसार मैराथन दौड़ में व्याख्याता (शारीरिक शिक्षा) सुनील कुमार खोईवाल, गाइड कैप्टन संगीता व्यास के नेतृत्व में स्काउट गाइड करुणा क्लब सदस्य व खिलाड़ी छात्र–छात्राओं ने हाथों में बैनर लेकर सुभाष नगर डिस्पेंसरी, गार्डन, छोटी पुलिया तथा सुभाष नगर के विभिन्न मार्गों पर दौड़ लगाकर पर्यावरण दिवस के ध्येय वाक्य '''एक ही पृथ्वी''' के तहत संपूर्ण विश्व में मैत्रीपूर्ण प्रयासों से मिट्टी बचाओ, पर्यावरण बचाओ, पृथ्वी बचाओ का संदेश दिया। दौड़ को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने कहा कि आज के परिवेश में पूरे विश्व को मैत्रीपूर्ण पर्यावरण चेतना की महती आवश्यकता है। इस हेतु हम सभी सार्थक प्रयास कर अपनी भूमिका अदा कर सकते हैं।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विचार संगोष्ठी

◈ भारत स्काउट व गाइड, स्थानीय संघ, भीलवाड़ा के तत्वावधान में 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी.पी. गोस्वामी के मुख्य आतिथ्य एवं प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी की अध्यक्षता में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सुभाष नगर में विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉक्टर गोस्वामी ने तंबाकू के सेवन से

होने वाले रोगों व शारीरिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा सभी को जीवन में कभी तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने तथा अपने संपर्क में आने वालों को तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने हेतु प्रेरित करने की शपथ दिलाई। स्थानीय संघ सचिव प्रेम शंकर जोशी ने पर्यावरण पर तंबाकू उत्पादों के उपयोग से होने वाले दुष्प्रभाव पर विचार व्यक्त करते हुए सभी को पर्यावरण बचाने का संकल्प दिलाया। प्रधानाचार्य उर्मिला जोशी ने स्काउट गाइड के समाज सेवा के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि नशा मुक्ति अभियान में स्काउट गाइड व एनएसएस छात्र छात्राएं महती भूमिका निभा रहे हैं। इस विचार संगोष्ठी में व्याख्याता सुनील खोईवाल, सोनू खटीक, दिनकर व्यास, एन.एस.एस. प्रभारी नाहर सिंह मीणा, राजस्थान स्टेट ओपन बोर्ड परीक्षा के केंद्र पर्यवेक्षक राजेंद्र शर्मा सहित 51 स्काउट गाइड, 57 एन.एस.एस. छात्र एवं 50 समाज सेवा शिविर के संभागियों ने भाग लिया।

जयपुर मण्डल

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ली शपथ

भारत स्काउट व गाइड, मंडल मुख्यालय, बनीपार्क जयपुर के तत्वावधान में आयोजित अभिरुचि शिविर केंद्र पर 31 मई को तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर रैली एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शिविर के समस्त संभागियों एवं स्टाफ को नशा न करने की शपथ दिलाई गई तथा पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की व जागरूकता रैली निकाली गई। जिला संगठन आयुक्त (गाइड) ऋतु शर्मा ने बताया कि इस शिविर में छात्र–छात्राओं को विभिन्न प्रकार के कला कौशल सिखाये जा रहे हैं, जिसमें ब्यूटी पार्लर, मेहंदी, इंग्लिश स्पोकन, पेंटिंग, आर्ट एंड क्राफ्ट, डांस, जूडो कराटे, तैराकी इत्यादि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। स्काउटर प्यारेलाल महला द्वारा शिविर के संभागियों को धूम्रपान से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी प्रदान की गई एवं शपथ ग्रहण करवाई गई। मदन लाल गुप्ता एवं आशा शर्मा के नेतृत्व में तंबाकू निषेध रैली का आयोजन किया गया। सभी संभागियों ने रैली में पूर्ण उत्साहित होकर भाग लिया। मोनिका गॉड, डांस टीचर पूनम, जूडो कराटे कोच पंकज,

मेहंदी ट्रेनर पिंकी एवं सर्विस रेंजर्स मुस्कान, सिया एवं रिशिता ने रैली एवं समस्त समारोह के आयोजन में पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

जोधपुर मण्डल

तंबाकू निषेध दिवस मनाया, ली शपथ

तम्बाकू निषेध दिवस पर भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, जैसलमेर के तत्वावधान में रामावि कुम्हारपाडा जैसलमेर में स्काउट परिवार तम्बाकू मुक्त परिवार की थीम को साकार करने के उद्देश्य से स्काउट गाइड ने अपने माता–पिता व अन्य परिजनों को जीवन भर तम्बाकू का किसी भी रूप में सेवन नहीं करने का संकल्प दिलाया। जिला

संगठन आयुक्त (स्काउट) सवाईसिंह ने बताया कि तम्बाकू का सेवन नही करने की प्रेरणा के उद्देश्य से पोस्टर, निनाद, भाषण आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्काउटर विनोद कुमार बिस्सा, भोजराज वैष्णव, मांगीलाल सोनी, प्रेम जीनगर, नवीनसिंह, जानकी वल्लभ पुरोहित, वंदना भाटिया, कौशल्या पालीवाल सहित बडी संख्या में छात्र–छात्राएं भी उपस्थित थे।

पर्यावरण दिवस पर जागरूकता रैली निकाली

भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, सिरोही के तत्वावधान में बाल मंदिर विद्यालय में चल रहे अभिरुचि कौशल शिविर तथा पीरामल फाउंडेशन तथा प्रदूषण नियंत्रण मंत्रालय भारत सरकार के संयुक्त तत्वावधान में 5 जून विश्व

पर्यावरण दिवस के अवसर पर रैली का आयोजन किया गया। रैली को कलक्टर डॉ. भंवरलाल ने अहिंसा सर्किल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शहर के विभिन्न मार्गों अहिंसा सर्किल, जेल चौराया, बस स्टैंड, मैन बाजार, पैलेस

रोड होते हुए पुनः अहिंसा सर्किल स्थित राजकीय सारणेश्वर पुस्तकालय गार्डन में पहुंची। रैली में अभिरुचि शिविर के बालक बालिका स्काउट गाइड रोवर रेंजर, एनसीसी, पुलिस के जवान आदि उपस्थित रहे। यहां पर अभिरुचि कौशल विकास शिविर में प्रशिक्षण ले रहे बच्चों ने पर्यावरण बचाओ थीम पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण बचाओ प्लास्टिक बेन आदि बातें बताई। नुक्कड़ नाटक के बाद कलक्टर डॉ. भंवरलाल ने प्लास्टिक का यूज नहीं करने का आह्वान किया तथा उन्होंने कहा कि नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जो भी बातें बताई वह बातें सभी फॉलो करें और शहर को स्वच्छ बनाने में अपनी भागीदारी निभाए। तत्पश्चात पीरामल फाउंडेशन द्वारा ड्राइंग प्रतियोगिता, मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन बाल मंदिर विद्यालय में किया गया। इस कार्यक्रम में एसडीएम रमेश चंद्र बहेरिया ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्त भी किया। बहेरिया ने बताया कि पर्यावरण दिवस मनाने का उद्देश्य यही है कि हमें प्लास्टिक का यूज नहीं करना है और पर्यावरण को बचाना है तथा दूसरों को भी इसके बारे में जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक को कचरा पात्र में ही डालें इधर उधर ना फेंके। पर्यावरण दिवस के अवसर पर पिरामल फाउंडेशन से मनीषा, नितेश त्रिवेदी, सफद तथा अभिरुचि शिविर के ट्रेनर वेला राम रबारी, मनीषा देवल, पूजा कुमारी, अशोक कुमार, मनीष, शैतान सिंह, कुसुम, सर्विस रेंजर नेहा आदि उपस्थित थे।

कोटा मण्डल

विश्व पर्यावरण दिवस पर मैराथन

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, कोटा द्वारा आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षणार्थियों के साथ मंडल के सहायक राज्य संगठन आयुक्त दिलीप

कुमार माथुर के सान्निध्य में जिले के जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) प्रदीप चित्तौड़ा के संचालन में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 'केवल एक पृथ्वी' थीम पर स्काउट गाइड मैराथन के आयोजन के साथ–साथ प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर दिलीप कुमार माथुर ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को पर्यावरण का महत्व समझाते हुए पृथ्वी को प्रदूषण मुक्त एवं प्लास्टिक उन्मूलन के कार्यक्रम अनवरत रूप से जारी रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर सेंट जोसेफ विद्यालय की प्रधानाचार्य सिलविया फर्नांडिस ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्लास्टिक के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम समन्वयक विनय राज सिंह ने जल प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों द्वारा पेड़ बचाओ संबंधी एक नृत्य नाटिका के माध्यम से पेड़ नहीं काटने का संदेश प्रदान किया। इस अवसर पर श्री माथुर ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को पौधे लगाने एवं उनको बचाने व प्लास्टिक उन्मूलन करने की शपथ भी दिलाई गई।

उदयपुर मण्डल

विश्व पर्यावरण दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय, चित्तौड़गढ़ के तत्वावधान में आयोजित ग्रीष्मकालीन कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। चन्द्र शंकर श्रीवास्तव जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) चित्तौड़गढ़ ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर शिविर के संभागियों में पर्यावरण के प्रति समझ विकसित करने के उद्देश्य

से स्थानीय स्वयंसेवी संस्था अमर विकास चित्तौड़गढ़ के वन एवं पर्यावरण संरक्षण प्रोजेक्ट के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर संस्थापक एवं रोवर लीडर हेमेन्द्र कुमार सोनी द्वारा पर्यावरण दिवस के सन्दर्भ में बच्चों को जागरूक किया गया तथा प्रतियोगिता के उद्देश्यों की विस्तार में जानकारी दी।

प्रतियोगिता में भाग लेने वाले संभागियों में से अंजली कुशवाह, रोशनी कुशवाह राबाउमावि चित्तौड़गढ़, ऋषि रजक केवीएस क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहें। इन्हे शिविर समापन पर संस्था द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर प्रशिक्षक स्काउटर विनोद मुन्दडा, सुनील सोमानी, हेमन्त पुरोहित, शोभना शर्मा, यशोदा कुमावत, सुमित्रा शर्मा, सुनीता अग्रवाल, रमेश चन्द्र सेन, सर्विस रोवर युवराज तम्बोली आदि उपस्थित रहें।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जन चेतना रैली व प्रतियोगिता आयोजन

◈ राजसमंद जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कांकरोली में संचालित 40 दिवसीय ग्रीष्मकालीन अभिरूचि कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर में विश्व पर्यावरण दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया। जिला संगठन आयुक्त छैलबिहारी शर्मा ने बताया कि ग्रीष्मकालीन अभिरूचि शिविर के बालक–बालिकाओं ने विभिन्न विभागों के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक

विद्यालय के प्रांगण में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण के प्रति जन जागृति को बालक–बालिकाओं के माध्यम से घर–घर और जन–जन तक पहुंचाने का एक सुव्यवस्थित प्रयास किया गया। शर्मा ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस को एक महोत्सव के रूप में मनाया गया जिसकी अध्यक्षता सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के मनीष कुमार वैष्णव ने की व मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अधिकारी राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मंडल राजसमंद अनुराग यादव थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय वन अधिकारी भंवरलाल मीणा, वनपाल नैनाराम थे। पारितोषिक वितरण कार्यक्रम में बच्चों को सम्बोधित करते हुए व अध्यक्षीय उद्‌बोधन में मनीष कुमार वैष्णव ने बच्चों से कहा कि 'पेड़ को बच्चों की तरह पालें, पेड़ बड़ा होकर बच्चें की तरह हमें पालेगा' साथ ही बाजार जाते समय प्लास्टिक को बॉय–बॉय करते हुए अपने साथ कपड़े का थैला जरूर ले जायें जिससे इस पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकें। इस अवसर पर अतिथि महानुभावों ने अपने कर कमलों से नीम, जामुन, गुलमोहर जैसे पौधे लगाकर विद्यालय को एक उपहार देने व बच्चों में पेड़ लगाने के प्रति रूझान पैदा करने हेतु विद्यालय प्रांगण में पौधे लगाये।

पोस्टर प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में गार्गी कुमावत प्रथम, निशा पालीवाल द्वितीय व जान्हवी सालवी तृतीय स्थान पर रही। कनिष्ठ वर्ग में अंजली कुंवर चौहान प्रथम, आफरीन मुसुरी द्वितीय व राधिका सिंह तृतीय स्थान पर रही। बाल वर्ग में ईशिका कुमावत प्रथम, लता सालवी द्वितीय, ईशान फुलवारिया तृतीय स्थान पर रहे। इसी तरह निबन्ध प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में टीना गमेती प्रथम, डिम्पल सालवी द्वितीय, लीला गमेती तृतीय स्थान पर रही। इसी तरह पहली बार आयोजित क्वीज प्रतियोगिता में बालक बालिकाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। इन प्रतिभागियों को अतिथि महानुभावों के सान्निध्य में प्रशंसा पत्र, प्रतीक चिन्ह, पारितोषिक व कपड़े का बेग ईनाम स्वरूप प्रदान किया गया।

इस अवसर पर आयोजित जागरूकता रैली को अतिरिक्त जिला कलक्टर राजसमंद रामचरण शर्मा, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मनीष कुमार जैन, क्षेत्रीय अधिकारी राजस्थान प्रदुषण नियंत्रण मंडल राजसमंद अनुराग यादव ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली विद्यालय प्रांगण से रवाना होकर विवेकानन्द चौराहा, पुलिस चौकी, पोस्ट ऑफिस, मुखर्जी चौराहा से होते हुए कुमावत मोहल्ला, खटीक मोहल्ला, नया अखाडा, छापरिया भैंरू होते हुए पुनः विद्यालय प्रांगण में आकर समाप्त हुई।

अंतर्राष्ट्रीय तम्बाकू निषेध दिवस पर निकाली जन चेतना रैली, बच्चों में हुई पोस्टर व निबन्ध प्रतियोगिता व दिलाई शपथ

◈ राजसमंद जिला मुख्यालय पर स्थित राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कांकरोली में अभिरूचि कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षणार्थियों ने 31 मई को जन चेतना रैली निकालकर आम जन में तम्बाकू रहित जीवन जीने की अपनी मंशा को आम जन तक पहुंचाया। जन चेतना रैली को जिला संगठन आयुक्त छैल बिहारी शर्मा व स्थानीय संघ राजसमंद के सचिव धर्मेन्द्र गुर्जर ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली विद्यालय प्रांगण से होती हुई विवेकानन्द चौराया, पुलिस चौकी के सामने होते हुए नया अखाडा के पास कुमावत मोहल्ला होती हुई छापरिया भैंरूजी

के सामने से पुनः विद्यालय प्रांगण में आकर समाप्त हुई। रैली में बालक–बालिकाएँ तम्बाकू के प्रभाव से होने वाले नुकसान से संबंधित नारे लगाते हुए चल रहे थे।

शिविर संचालक धर्मेन्द्र गुर्जर ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर पोस्टर व निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें निबन्ध प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में टीना गमेती प्रथम, किरण सुमन द्वितीय व लीला गमेती तीसरे स्थान पर रही। जुनियर वर्ग में खुशी शर्मा प्रथम, कोमल वैष्णव द्वितीय व शैला सुमन तृतीय स्थान पर रही। पोस्टर प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में वन्दना राठौड प्रथम, जान्हवी सालवी व वर्षा कुमावत द्वितीय व ममता राजपूत व अनुष्का कुमावत तृतीय स्थान पर रही। जुनियर वर्ग में ईशिका कुमावत प्रथम, ईशिका त्रिपाठी द्वितीय एवं दिव्यांश सालवी तृतीय स्थान पर रहे। निर्णायक दल में रोशनलाल रेगर, अशोक कुमार वर्मा व चन्द्रशेखर पालीवाल ने अपनी महत्ती भुमिका का निर्वहन किया।

शिविर के सहायक संचालक राकेश सांचीहर ने बताया कि इस अवसर पर बालक–बालिकाओं को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय कांकरोली की व्याख्याता चन्द्रवन्दना कुमावत ने नशा रहित जीवन जीने की व अपने परिवार वालों को भी नशा रहित जीवन जीने की शपथ दिलाई। रैली का नेतृत्व रोशनलाल रेगर, राजेश तैलंग, अशोक वर्मा, नीतुबाला शर्मा, केसर सालवी, दारा सिंह, चन्द्रशेखर पालीवाल व धर्मेन्द्र गुर्जर ने किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्काउट गाइड ने अपने अपने क्षेत्र में किया पौधारोपण

◈ भारत स्काउट व गाइड, जिला मुख्यालय एवं वन विभाग प्रतापगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने की दृष्टि से 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें स्काउट गाइड स्काउटर गाइडर, एन.सी.सी. केडेट्स, स्कूल के छात्र–छात्राओं एवं इको क्लब प्रभारी ने सहभागिता की। जिला संगठन आयुक्त (गाइड) रेखा शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर जागरूकता रैली, पोस्टर प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं ई क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अवलेश्वर से एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली को स्थानीय विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रभुदास वैष्णव ने विद्यालय से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया जो पूरे गाँव का भ्रमण करते हुए विद्यालय में संगोष्ठी में परिवर्तित हुई। रैली संभागी हाथ में तख्तियां लेकर व नारे लगाते हुए चले। संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए प्रभुदास वैष्णव प्रधानाचार्य ने कहा कि पर्यावरण को बचाना जरूरी है यदि पर्यावरण को नहीं बचाया तो हम मर जायेंगे। इसका उदाहरण अभी हमारे सामने है कि किस प्रकार कोविड–19 महामारी के कारण ऑक्सीजन की बहुत जरूरत हो गई। बड़े–बड़े शहरों में कई मौतें ऑक्सीजन की कमी से हुई है और हमें सहज रूप से ऑक्सीजन पेड़–पौधों से प्रात होती है। इसलिए हमें अपने जीवन में कम से कम 10 पेड़ अवश्व लगाने चाहिए।

जिला स्तर पर महल स्कूल में आयोजित संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सुहागपुरा विक्रम कोठारी ने उपस्थित संभागियों को कहा कि आज निरन्तर पेड़ो की कटाई, जल के अन्धाधुन दोहन, पहाड़ों की कटाई, बोरिंग के प्रचलन से भूजल स्तर लगातार घिरता जा रहा है, जिसके कारण पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। उन्होंने कहा कि हमें जल का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए, बहते हुऐ पानी को रोकना चाहिए और हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है कि पेड़ो की रक्षा करना है।

इस अवसर पर शिविर संचालक श्यामलाल गायरी, स्काउटर भुवान सिह राठौड़, भीराज मीणा रमेशचन्द्र मीणा, ओमप्रकाश मेघवाल, दशरथ पालीवाल, प्रेमप्रकाश शर्मा, गाइडर ममता राठौड़, सुभिता चौधरी एवं लिपिक लोकेन्द्र कुमार माली एवं प्रशिक्षक दल के साथ–साथ रोवर रेंजर उपस्थित थे।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

संकलनकर्ता : स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

मानव समाज और वन्य जीवों का पारस्परिक संबंध क्या है? यदि वन्य जीव भूमंडल पर न रहें, तो पर्यावरण पर तथा मनुष्य के आर्थिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तेजी से बढ़ती हुई आबादी की प्रतिक्रिया वन्य जीवों पर क्या हो सकती है आदि प्रश्न गहन चिंतन और अध्ययन के हैं। इसलिए भारत के वन व वन्य जीवों के बारे में थोड़ी जानकारी आवश्यक है, ताकि लोग भलीभाँति समझ सकें कि वन्य जीवों का महत्व क्या है और वे पर्यावरण चक्र में किस प्रकार मनुष्य का साथ देते हैं।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है। वर्तमान परिपेक्ष्य में कई प्रजाति के जीव जंतु एवं वनस्पति विलुप्त हो रहे हैं। विलुप्त होते जीव जंतु और वनस्पति की रक्षा का विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर संकल्प लेना ही इसका उद्देश्य है।

पृथ्वी सम्मेलन

प्रकृति संरक्षण का समस्त प्राणियों के जीवन तथा इस धरती के समस्त प्राकृतिक परिवेश से घनिष्ठ सम्बन्ध है। प्रदूषण के कारण सारी पृथ्वी दूषित हो रही है और निकट भविष्य में मानव सभ्यता का अंत दिखाई दे रहा है। इस स्थिति को ध्यान में रखकर सन 1992 में ब्राजील में विश्व के 174 देशों का 'पृथ्वी सम्मेलन' आयोजित किया गया था। इसके पश्चात् सन 2002 में जोहान्सबर्ग में पृथ्वी सम्मेलन आयोजित कर विश्व के सभी देशों को पर्यावरण संरक्षण पर ध्यान देने के लिए अनेक उपाय सुझाए गये। वस्तुतः प्रकृति के संरक्षण से ही धरती पर जीवन का संरक्षण हो सकता है, अन्यथा मंगल ग्रह आदि ग्रहों की तरह धरती का जीवन–चक्र भी एक दिन समाप्त हो जायेगा।

प्रकृति संरक्षण

जल, जंगल और जमीन, इन तीन तत्वों के बिना प्रकृति अधूरी है। विश्व में सबसे समृद्ध देश वही हुए हैं, जहाँ यह तीनों तत्व प्रचुर मात्रा में हों। भारत देश जंगल, वन्य जीवों के लिए प्रसिद्ध है। सम्पूर्ण विश्व में बड़े ही विचित्र तथा आकर्षक वन्य जीव पाए जाते हैं। हमारे देश में भी वन्य जीवों की विभिन्न और विचित्र प्रजातियाँ पाई जाती हैं। इन सभी वन्य जीवों के विषय में ज्ञान प्राप्त करना केवल कौतूहल की दृष्टि से ही आवश्यक नहीं है, वरन् यह काफी मनोरंजक भी है। भूमंडल पर सृष्टि की रचना कैसे हुई, सृष्टि का विकास कैसे हुआ और उस रचना में मनुष्य का क्या स्थान है? प्राचीन युग के अनेक भीमकाय जीवों का लोप क्यों हो गया और उस दृष्टि से क्या अनेक वर्तमान वन्य जीवों के लोप होने की कोई आशंका है? मानव समाज और वन्य जीवों का पारस्परिक संबंध क्या है? यदि वन्य जीव भूमंडल पर न रहें, तो पर्यावरण पर तथा मनुष्य के आर्थिक विकास पर क्या प्रभाव पड़ेगा? तेजी से बढ़ती हुई आबादी की प्रतिक्रिया वन्य जीवों पर क्या हो सकती है आदि प्रश्न गहन चिंतन और अध्ययन के हैं। इसलिए भारत के वन व वन्य जीवों के बारे में थोड़ी जानकारी आवश्यक है, ताकि लोग भलीभाँति समझ सकें कि वन्य जीवों का महत्व क्या है और वे पर्यावरण चक्र में किस प्रकार मनुष्य का साथ देते हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रयास

- जंगलों को न काटे।
- जमीन में उपलब्ध पानी का उपयोग तब ही करें जब आपको जरूरत हो।
- कार्बन जैसी नशीली गैसों का उत्पादन बंद करे।
- उपयोग किए गए पानी का चक्रीकरण करें।
- जमीन के पानी को फिर से स्तर पर लाने के लिए वर्षा के पानी को सहेजने की व्यवस्था करें।
- ध्वनि प्रदूषण को सीमित करें।
- प्लास्टिक के लिफाफे छोड़ें और रद्दी कागज के लिफाफे या कपड़े के थैले इस्तेमाल करें।
- जिस कमरे मे कोई ना हो उस कमरे का पंखा और लाईट बंद कर दें।
- पानी को फालतू ना बहने दें।
- आज के इंटरनेट के युग में, हम अपने सारे बिलों का भुगतान आनलाईन करें तो इससे ना सिर्फ हमारा समय बचेगा बल्कि कागज के साथ साथ पैट्रोल डीजल भी बचेगा।
- ज्यादा पैदल चलें और अधिक साइकिल चलाएं।
- प्रकृति से धनात्मक संबंध रखने वाली तकनीकों का उपयोग करें। जैसे–
- जैविक खाद का प्रयोग
- डिब्बा–बंद पदार्थो का कम इस्तेमाल।
- जलवायु को बेहतर बनाने की तकनीकों को बढ़ावा दें।
- पहाड़ खत्म करने की साजिशों का विरोध करें।

दक्षता पदक

स्काउट गाइड ज्योति में दक्षता पदकों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जा रही हैं। आशा है यह जानकारी प्रशिक्षण के मद्देनज़र उपयोगी साबित होगी। इस अंक में 'जिम्नास्ट(कसरती/मल्ल)' दक्षता बैज की जानकारी दी जा रही है।

जिम्नास्ट (कसरती/मल्ल)
GYMNAST

स्काउट जिम्नास्ट(कसरती/मल्ल) बैज को तब तक नहीं ले सकते जब तक कि उन्होंने इसे किसी प्रशिक्षित जिम्नास्ट से न सीखा हो। इसे प्राप्त करने की प्रक्रिया निम्नानुसार है–

(अ) 16 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए–

1. सही तरीके से सीधा तनकर खड़ा हो सके तथा सही विधि से चलना व दौड़ना जाने।
2. फ्री स्टैंडिंग 'कसरतों को तालिका के अनुसार नियंत्रण रखते हुए कर सके।
3. 0.9मीटर(3 फूट) ऊँचाई तक सही विधि से कूद सके।
4. सन्तुलन करने के ढाँचे (बैलेन्सिग फॉर्म) या छड़ (बार) के संकड़े किनारे पर सही मुद्रा में आगे–पीछे चल सके।
5. निम्नलिखित में से कोई तीन सही मुद्रा में करें–
   - i. 4.2 मीटर (14 फुट) रस्सी पर चढ़ना।
   - ii. दो रस्सियों के बीच से होकर तथा उनके बीच में कलाबाजी करना।
   - iii. दीवार के सहारे हाथों के बल खड़ा होना(सिर नीचे, पैर ऊपर)
   - iv. दीवार में लगे डंडों(वार्स) या स्वनिर्मित उपकरण पर उल्टा लटक सके।
   - v. एक 'बार' पर बगल की ओर (साइडवेज) चल सकना।
6. निम्न में से तीन को सही मुद्रा में करना–
   - i. दाएँ या बाएँ हाथ की गाड़ी चक्र '(कार्ट व्हील)।
   - ii. धू वाल्ट जैसे–स्कॉट।
   - iii. पीठ के ऊपर से होकर मैंढक–कूद लगाना।
   - iv. वूल्फ या जैक इन दी बॉक्स।
   - v. पेटी के ऊपर से खरगोश की तरह कूदना या अन्य प्रकार से कूदना।

(ब) 16 वर्ष से अधिक आयु वालों के लिए–

1. सही तरीके से सीधा तनकर खड़ा हो सके तथा सही विधि से चलना व दौड़ना जाने।
2. कम–से–कम एक सप्ताह तक विद्यालय में या अन्य किसी प्रशिक्षण केन्द्र पर जिम्नास्टिक की कक्षाओं में उपस्थित रहना।

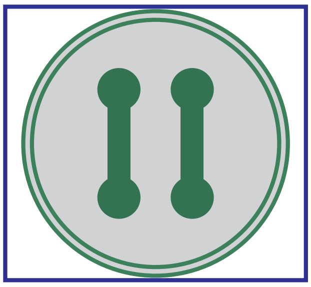

3. परीक्षक द्वारा स्वीकृत स्वतंत्र रूप से खड़े होकर की जाने वाली कसरतों की तालिका को करके दिखाना।
4. किसी सन्तुलन बनाए रखने वाले ढाँचे (बैलेंसिंग फार्म) या डण्डे (बार) के संकरे किनारे पर निम्न में से किन्हीं दो का सही तरीके से प्रदर्शन करें–
   - i. प्रत्येक कदम पर गेंद उछालते और उसे पकड़ते हुए आगे की ओर बढ़ना।
   - ii. बिना सहारा लिए बगलों की ओर से (साइडवेज) चल सके।
   - iii. ढाँचे पर खड़ा होकर हाथों और दाँयी टाँग को बराबर में उठा सके व वापिस रख सके, पुनः आगे कदम रखें और दूसरी टाँग को उठाते हुए इसे दोहराए।
   - iv. घुटनों को पूरी तरह मोड़कर चलना और प्रत्येक तीसरे कदम पर इसे सीधा करना।
5. निम्न समूह में से कोई एक करें–
   - i. एक रस्से पर कम–से–कम 4.8 मीटर 16 फुट चढ़ना, डण्डे (बार) पर बगल की ओर से चलना या दीवार पर लगे डण्डों पर चढ़ और उतर सके या डण्डे (बार) पर उल्टा चलना।
   - ii. बिना किसी सहारे के, हाथों के बल खड़ा हो सकना या डण्डे (बार) अथवा स्वनिर्मित उपकरण पर नीचे या ऊपर की ओर कलाबाजी लगा सके या दो रस्सों के बीच लम्बवत उल्टा लटक सके।

काव्य प्रतिभा

मेरी इच्छा

अलिताब धोबी
स्थानीय संघ,
शिवसिंहपुरा (सीकर)

मेरी यह इच्छा है......
बार बार जन्म लू, प्राण दूसरों पर वार दूं
हर जन्म में परहित, मिटने का अधिकार लूं।
दीन के अश्रु पोंछू, सबको दुलार दूं
जो दुखी है जग में उसे स्वर्ग सा संसार दूं।
मेरी यह इच्छा है......

मेरे जीवन में निशा का डेरा हो
पर दीपक बन खुद जलकर रोशनी औरों को दूं।
मेरी यह इच्छा है......
नंगे को वसन, प्यासे को पानी
भूखों को भोजन दे दुलार दूं।
मेरी यह इच्छा है......

जिसके जीवन में कष्टों के डेरे,
कष्ट उसके दूर हो चाहे प्राण जाए मेरे
कष्ट मिटा सबको सुखों का अधिकार दूं।
मेरी यह इच्छा है......
जो हैं उखड़े चेहरे उनको खुशियों का आधार दूं।
उनके चेहरो की बिखरी सौम्यता को संवार दूं।
मेरी यह इच्छा है......

डूबता सूरज देता है इस सारे जग को लाली
मैं भी डूबकर सबको खुशहाली दूं।
मेरी यह इच्छा है......
आपसी कटुता मिटा स्नेह का अम्बार दूं।
सबको मिलकर रहने का अधिकार दूं।
मेरी यह इच्छा है......

अनुभव

राज्य स्तरीय रोवर/रेंजर साहसिक शिविर, मदुरै (तमिलनाडू)

जीवन में अनेक अविस्मरणीय यादें दी इस कैम्प ने। दक्षिण भारत के तमाम सुप्रसिद्ध तीर्थ स्थलों, अद्‌भुत शैली में निर्मित मंदिरों, पवित्र स्थानों, अकल्पनीय प्राकृतिक दृश्य, डॉ. कलाम के घर जाकर उनके जीवन से जुड़ी अनेक यादों को प्रत्यक्ष रूप से देखकर, भगवान राम द्वारा निर्मित रामसेतु, विभीषण राज्याभिषेक, हिंद महासागर व बंगाल की खाड़ी का संगम, पवित्र स्थानों पर स्नान करके व सब का दर्शन करके अथाह आनन्द की अनुभूति हुई।

इसके साथ ही दक्षिण भारत की संस्कृति, भाषा, खान पान, वहां की सीढ़ीदार कृषि, विभिन्न प्रकार की फसलें आदि को भी करीबी से जानने का सुअवसर मिला। यह सब अपने यहाँ से बिल्कुल भिन्न था।

यह सफर जीवन भर के लिए यादगार बन गया जिसे भूलना सम्भव नहीं है।

दीपाराम
रोवर मेट
उजास ओपन रोवर क्रू, बाड़मेर (राज.)

हमारे महापुरुष

आधुनिक भारत के निर्माता : बाल गंगाधर तिलक

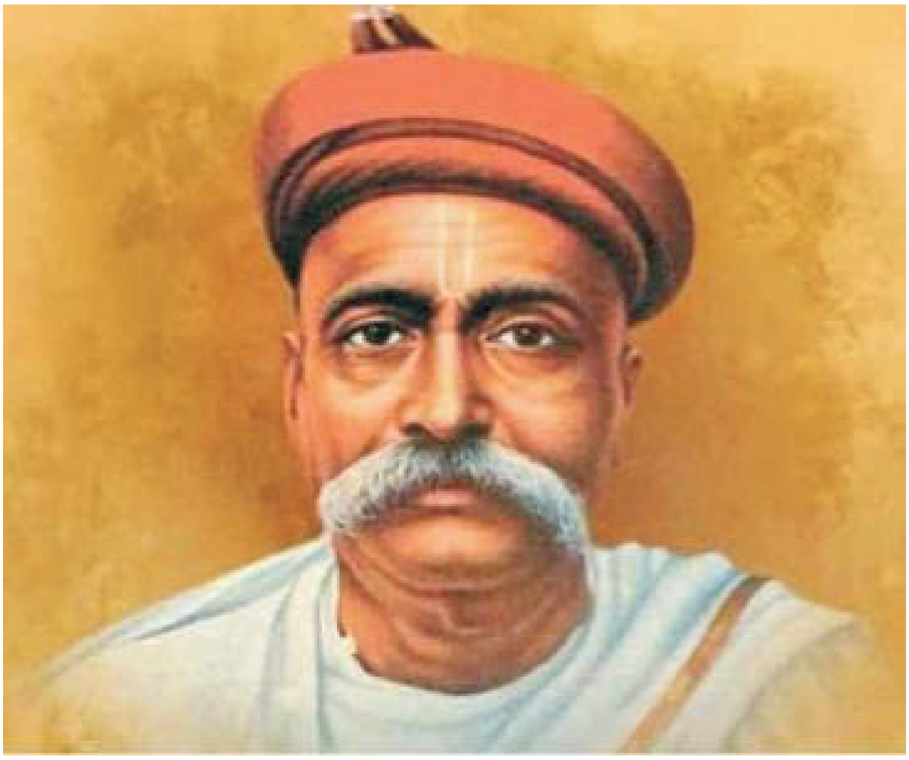

◆ स्काउट गाइड ज्योति डेस्क

तिलक ने बहुत पहले ही राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझ लिया था। उन्होंने गणेश उत्सव, शिवाजी उत्सव आदि को व्यापक रूप से मनाना प्रारम्भ किया। उनका मानना था कि इस तरह के सार्वजनिक मेल-मिलाप के कार्यक्रम लोगों में सामूहिकता की भावना विकास करते हैं। वह अपने इस उद्देश्य में काफी हद तक सफल भी हुए। तिलक ने शराबबंदी के विचार का पुरजोर समर्थन किया। वो पहले काँग्रेसी नेता थे जिन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा स्वीकार करने की मांग की थी।

क्रूर अँग्रेजी दासता से ग्रस्त देश ने जिस समय पहली बार स्वतंत्रता का स्वप्न देखना शुरू किया था, लगभग उसी समय 23 जुलाई 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी इलाके में एक महान राष्ट्रवादी का जन्म हुआ नाम था– बाल गंगाधर तिलक। यूँ तो तिलक के व्यक्तित्व के अनेक आयाम है– जैसे एक महान लेखक एवं पत्रकार, समाज–सुधारक प्रभावशाली वक्ता और उच्च कोटि का समन्वयक, लेकिन एक आम भारतीय के मन में तिलक की छवि ऐसे स्वतंत्रता सेनानी की है, जिसने जीवन पर्यन्त देश की स्वतंत्रता के लिए अनथक संघर्ष किया।

चितपावन ब्राह्मण परिवार में जन्मे और शिक्षक पिता की संतान तिलक को जीवन के सबसे जरूरी समय में माता–पिता का सानिध्य नहीं मिल पाया था। केवल दस वर्ष की अवस्था में ही तिलक की माँ उन्हें छोड़कर चल बसी और कुछ ही वर्षों के बाद पिता का भी देहांत हो गया। बचपन से ही स्वतंत्रता के पक्षधर रहे तिलक भारत में स्वराज शब्द का उद्घोष करने वाले कुछ चुनिंदा लोगों में शामिल थे।

'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है, और मैं इसे लेकर रहूंगा।' आज भी सारे देश में तिलक का वह कथन ख्यात है। सच्चे जननायक तिलक को लोगों ने आदर से लोकमान्य की पदवी दी थी।

आधुनिक ढंग से शिक्षा–दीक्षा प्राप्त करने वाले तिलक ने स्नातक के बाद वकालत की पढ़ाई पूरी की। पश्चिमी शिक्षा पद्धति से सहमत तिलक ने युवाओं को राष्ट्रीय शिक्षा प्रदान करने के लिए अपने साथियों विष्णु शास्त्री चिपलनकर और आगरकर के साथ मिलकर 'न्यू इंग्लिश स्कूल' की स्थापना की, जो आज 'दक्कन एजुकेशन सोसायटी' में तब्दील हो चुका है।

इन सब कामों के बीच तिलक लगातार इस प्रयास में रहते कि कैसे देश के लोगों को आभास कराया जाए। जो लोग अँग्रेजी शासन को दैवीय वरदान मानते हैं, कैसे उन्हें अपने भाई–बंधुओं के दु:ख, उनकी तकलीफों से अवगत कराया जाए। तिलक ने इसका हल पत्रकारिता में निकाला और दो साप्ताहिक पत्रों की शुरुआत की।

इनमें से एक 'केसरी' मराठी में, जबकि 'मराठा' अंग्रेजी में प्रकाशित होता था। इन दोनों पत्रों के संपादकिय पूरी तरह से तिलक के विचारों पर आधारित रहते। अपने

लेखों में तिलक ने तत्कालीन भारत की सच्ची तस्वीर पेश करते हुए ब्रिटिश शासन की घोर निंदा की। जब लोगों को वास्तविकता का पता चला तो समूचे महाराष्ट्र में अंग्रेजों के विरुद्ध असंतोष फैल गया। 'क्या सरकार पागल हो गई है?' और 'बेशर्म सरकार' जैसे उनके लेखों ने आम भारतीयों के मन में रोष की लहर दौड़ा दी। आश्चर्य नहीं कि दो वर्षों में ही 'केसरी' देश का सबसे ज्यादा बिकने वाला भाषाई समाचार–पत्र बन गया था।

सन 1897 में मुंबई से पूना तक प्लेग का भयंकर आक्रमण हुआ। बीमारी से निपटने के लिए नियुक्त किए गए प्लेग कमिश्नर रैंड ने बेहद अमानवीय तरीके से काम करना शुरू किया। वह लोगों को उनके घरों से पकड़कर कैम्प में रख देता था, चाहे वो संक्रमित हो या नहीं। उनके घरों में लूटपाट करके आग लगा दी जाती। दुःखी और नाराज तिलक ने अपने स्तर पर पीड़ितों की चिकित्सा की व्यवस्था की। उन्होंने केसरी के अपने संपादकीय में गीता का उद्धरण देते हुए लिखा है कि 'यदि कोई व्यक्ति बिना किसी फल की इच्छा के आततायी का वध करता है तो यह अपराध नहीं है।' परिणामस्वरूप प्लेग कमिश्नर रैंड और उसके एक सहयोगी की हत्या कर दी गई।

लंदन के 'ग्लोब' और 'टाइम्स ऑफ इंडिया' समाचार पत्रों ने तिलक पर लोगों को हत्या के लिए भड़काने का आरोप लगाया। इस आरोप में तिलक को 18 महीने की कैद हो गई। नाराज अँग्रेजों ने तिलक को भारतीय अशांति का दूत घोषित कर दिया। इस बीच तिलक ने भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस की सदस्यता ले ली थी, लेकिन स्वराज्य की माँग को लेकर कांग्रेस के उदारवादियों का रूख उन्हें पसंद नहीं आया और सन 1907 के कांग्रेस के सूरत अधिवेशन के दौरान काँग्रेस गरम दल और नरम दल में बंट गई। गरम दल का नेतृत्व बाल गंगाधर तिलक और विपिन चंद्र पाल कर रहे थे।

सन 1908 में सरकार ने उन पर राजद्रोह का आरोप लगाकर मुकदमा चालाया। तिलक का मुकदमा मुहम्मद अली जिन्ना ने लड़ा। परंतु तिलक को 6 वर्ष की सुना दी गई। तिलक को सजा काटने के लिए मांडले बर्मा भेज दिया गया। सन 1916 में रिहाई के बाद तिलक ने पुनः भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस में प्रवेश किया। 1916 से 1918 के दौरान उन्होंने एनी बेसेंट और मोहम्मद अली जिन्ना के साथ मिलकर 'अखिल भारतीय होमरूल लीग' की स्थापना भी की।

तिलक ने बहुत पहले ही राष्ट्रीय एकता के महत्व को समझ लिया था। उन्होंने गणेश उत्सव, शिवाजी उत्सव आदि को व्यापक रूप से मनाना प्रारम्भ किया। उनका मानना था कि इस तरह के सार्वजनिक मेल–मिलाप के कार्यक्रम लोगों में सामूहिकता की भावना विकास करते हैं। वह अपने इस उद्देश्य में काफी हद तक सफल भी हुए। तिलक ने शराबबंदी के विचार का पुरजोर समर्थन किया। वो पहले काँग्रेसी नेता थे जिन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा स्वीकार करने की मांग की थी।

तिलक ने भारतीय दर्शन और संस्कृति पर अनेक रचनाएँ की। मांडले जेल में रचित अपनी पुस्तक 'गीता रहस्य' में उन्होंने श्रीमदभगवद्‌गीता के कर्मयोग की वृहद व्याख्या की। इसके अतिरिक्त उन्होंने 'आर्कटिक होम इन द वेदास', 'द हिंदू फिलॉसफी ऑफ लाइफ, 'इथिक्स एंड रिलिजन', 'वैदिक क्रोनोलॉजी एंड वेदांग ज्योतिष' आदि पुस्तकों की रचना की।

अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत उग्र विचारधारा के साथ करने वाले बाल गंगाधर तिलक अपने अंतिम समय में बातचीत के पक्षधर हो गए थे। 1 अगस्त, 1920 को इस जननायक ने मुंबई में अपनी अंतिम साँस ली। तिलक की मृत्यु पर महात्मा गाँधी ने कहा – 'हमने आधुनिक भारत का निर्माता खो दिया है।'

CELEBRATIONS DAYS : JULY-AUGUST, 2022

01 July	:	Forest Festival (Week)
11 July	:	World Population Day
22 July	:	National Flag Adoption Day
28 July	:	World Nature-Conservation Day
29 July	:	World Tiger Day
12 August	:	International Youth Day
15 August	:	Independence Day
19 August	:	World Humanitarian Day
21 August	:	International Senior Citizen Day
29 August	:	National Games Day

Plan an activity with your unit on these days and send your success stories & photos to "scoutguidejyoti@gmail.com"

गतिविधि पञ्चांग

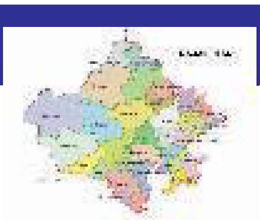

राज्य स्तरीय पञ्चांग

प्रस्तावित

गतिविधि का नाम	स्थान	दिनांक
ट्रेनर्स मीट	बीकानेर	07 से 09.07.2022 तक
विजन 2024 कार्य योजना	बीकानेर	07 से 09.07.2022 तक
विश्व जनसंख्या दिवस–(सड़क सुरक्षा जन चेतना रैली)	ग्रुप/स्था.संघ स्तर	11.07.2022
जम्बूरी पंजीकरण	राज्य स्तर पर	15.07.2022 तक
नेशनल ग्रीन कोर गतिविधियां	जिला/मण्डल स्तर	16 से 22.07.2022 तक
राजस्थान स्काउट गाइड ग्रामीण खेल	जिला स्तर	16 से 17.07.2022 तक
जम्बूरी रिव्यू सेमीनार	चौपासनी जोधपुर	21 से 22.07.2022 तक
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.07.2022 तक
एडवेंचर प्रोग्राम	मण्डल स्तर पर	25 से 29.07.2022 तक
SOC/STC मीट	जोधपुर	03 से 05.08.2022 तक
राज्य स्तरीय सचिव संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	04.08.2022
राज्य स्तरीय प्रभारी कमिश्नर संगोष्ठी	बनीपार्क, जयपुर	05.08.2022
स्टेट एडवेंचर प्रोग्राम	आबू पर्वत न.1	21 से 25.8.2022 तक

राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
18th National Jamboree	04 - 10 January, 2023	Pali-Marwar (Rajasthan)

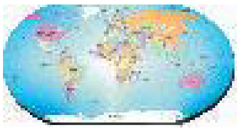

अन्तर्राष्ट्रीय पञ्चांग

PROPOSED

NAME OF EVENTS	MONTHS & DATES	VENUE
International Jamboree of Denmark 2022	23 - 31 July, 2022	Hedeland Naturpark (Copenhagen)
14th Asia Pacific Conference (WAGGGS)	10 - 14 August, 2022,	Thailand - Virtual
11th National Scout Jamboree 2022 of Gerakan Pramuka	12 - 21 August, 2022,	Jakarta, Indonesia
8th Friends of Asia Pacific WAGGGS Regional Gathering	07 - 09 November, 2022	Bangkok, Thailand
GYM AP Regional Youth Summit - SANGAM	07 - 11 November, 2022	Sangam, Pune
Juliette Low Seminar (JLS) 2022	02 - 11 December, 2022	Virtual
32nd Asia-Pacific Regional Scout Jamboree	11 - 19 December, 2022	Bangladesh
25th World Scout Jamboree	01 - 12 August, 2023	Saemangeum, Korea

National Headquarters website : www.bsgindia.org

माध्यमिक शिक्षा निदेशक गौरव अग्रवाल को स्टेट कमिश्नर (स्काउट) के पद पर कार्य ग्रहण कराने से पूर्व प्रदेश संगठन की ओर से स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका अभिनन्दन करते हुए संगठन पदाधिकारी

सीकर विजिट के दौरान पक्षियों के लिए परिण्डा लगाते हुए स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी रामचंद्र पिलानिया एवं अन्य।

जिला मुख्यालय, झुंझुनू की विजिट पर स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर) डॉ. अखिल शुक्ला एवं प्रोफेसर ममता शर्मा का अभिनन्दन करते हुए जिला पदाधिकारीगण।

जयपुर मण्डल मुख्यालय पर संचालित अभिरूचि केन्द्र के समापन पर आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के पश्चात बच्चों द्वारा तैयार सामग्री का अवलोकन करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन

स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय) एवं निदेशक, शांति एवं अहिंसा निदेशालय राजस्थान श्री मनीष शर्मा का स्काउट गाइड कार्यालय झुंझुनूं की विजिट के अवसर पर स्वागत व अभिनंदन

स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य को अन्तर्राष्ट्रीय कमिश्नर (स्काउट) के पद पर मनोनीत होने पर पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन करते हुए राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन एवं श्री आर्य की अध्यक्षता में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी की तैयारी की समीक्षा बैठक में शिरकत करते हुए विभिन्न विभागों के अधिकारीगण (नीचे)।

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह
प्रकाशन – प्रत्येक माह
पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत
आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :-
राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015
फोन : 0141-2706830, 2941098
ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : facebook.com/scoutguidejyoti